उत्पादन के क्षेत्र से जुड़ी हैं निवेश की दो-तिहाई परियोजनाएं

- जीबीसी में पांच लाख करोड़ रुपये का निवेश धरातल पर उतारने की तैयारी
- मंत्री नन्दी ने अधिकारियों को बड़े निवेशकों के साथ संपर्क में रहने के दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ: उत्तर प्रदेश में करीब दो तिहाई निवेश उत्पादन के क्षेत्र में किया जा रहा है। पिछले आठ वर्षों में दो इन्वेस्टर्स समिट के जरिये निवेश की 16 हजार परियोजनाओं को सरकार ने स्वीकृति दी थी। इनमें से सर्वाधिक 62.25 प्रतिशत परियोजनाएं उत्पादन के क्षेत्र से जुड़ी हैं। वहीं 28.09 प्रतिशत सेवा क्षेत्र व शेष परियोजनाएं अवस्थापना और अन्य क्षेत्रों से संबंधित हैं।

इन्वेस्ट यूपी ने नवंबर में प्रस्तावित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी-5) में कम से कम पांच लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं को धरातल पर उतारने का लक्ष्य रखा है। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने जीबीसी को सफल बनाने के लिए अधिकारियों को बड़े निवेशकों के साथ संपर्क में रहने के निर्देश दिए हैं। 100 करोड़ रुपये से कम निवेश वाली परियोजनाओं की निगरानी जिला उद्योग केंद्रों के महाप्रबंधकों व उद्यमी मित्रों को सौंपी गई है।

100 करोड़ से 200 करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं की सीधी निगरानी इन्वेस्ट यूपी को सौंपी गई है। वहीं 200 करोड़ रुपये से ज्यादा वाली परियोजनाओं को धरातल पर उतारने की जिम्मेदारी इन्वेस्ट यूपी के सीईओ व एसीईओ को सौंपी गई है।

प्रदेश में अभी तक निवेश करने वाली प्रमुख कंपनियों में वीवो ने 7,429 करोड़ रुपये, आइकिया ने 3,400 करोड़ रुपये, लिक्विड ने 3,075 करोड़ रुपये, टोरेंट गैस ने 2,751 करोड़ रुपये व अदाणी पावर ने 2,500 करोड़ रुपये का निवेश धरातल पर उतारा है।

इसके अलावा हिंद टर्मिनल, फेयर फाक्स, एसटी टेलीमेडिया, एज्योर पावर, एसीसी सीमेंट, डालमिया भारत लिमिटेड, एसएलएमजी बेवरेजेस, पेप्सिको, टाटा पावर, एडवर्ब, हल्दीराम, आइओएजी, जेके सीमेंट व डिक्सन टेक्नोलाजी सहित कई अन्य कंपनियों ने भी संबंधित क्षेत्रों में निवेश कर इकाइयों का संचालन शुरू कर दिया है।